भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 5325
दिनांक 03 अप्रैल, 2025

पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत

†5325. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में कच्चे तेल की खरीद दर और पेट्रोलियम उत्पादों के बिक्री मूल्य में बहुत अंतर है;
(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या पेट्रोलियम उत्पादों से अर्जित लाभ का उपयोग संप्रग सरकार के दौरान जारी किए गए पेट्रोलियम बॉन्डों के प्रतिभुगतान के लिए किया जा रहा है; और
(घ) यदि हां, तो पेट्रोलियम बॉन्ड पर अब तक कितनी राशि का निपटान किया गया है और पेट्रोलियम बॉन्ड पर मौजूदा भार कितना है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ) पेट्रोल और डीजल के मूल्य बाजार निर्धारित हैं और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसीज) पेट्रोल और डीजल के मूल्य निर्धारण पर उचित निर्णय लेती हैं।

देश में पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में सम्बन्धित उत्पादों के मूल्य से जुड़े हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकताओं के 85% से अधिक का आयात करता है। कच्चे तेल के मूल्य (भारतीय बास्केट) 55 डॉलर/बीबीएल (मार्च, 2015) से बढ़कर 113 डॉलर/बीबीएल (मार्च, 2022) तथा आगे और अधिक बढ़ कर 116 डॉलर/बीबीएल (जून, 2022) हो गए और विभिन्न भू-राजनैतिक और बाजार दशाओं के कारण लगातार घटता-बढ़ता रहा है।

घरेलू स्तर पर, सरकार और पीएसयू ओएमसीज द्वारा किए गए विभिन्न उपायों के परिणामस्वरूप पेट्रोल और डीजल के मूल्य घटकर क्रमशः 94.77 रुपए और 87.67 रुपए प्रति लीटर (दिल्ली के मूल्य) हो गए हैं, केंद्र सरकार द्वारा नवंबर 2021 और मई 2022 में दो बार में पेट्रोल और डीजल पर कुल मिलाकर क्रमशः 13 रुपए प्रति लीटर और 16 रुपए प्रति लीटर की केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कमी की गई, जिसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दे दिया गया। कुछ राज्य सरकारों ने भी नागरिकों को राहत देने के लिए राज्य वैट दरों में कमी की। मार्च, 2024 में, ओएमसीज ने पेट्रोल और डीजल प्रत्येक के खुदरा मूल्यों में 2 रुपए प्रति लीटर की कमी की।

पीएसयू ओएमसीज ने हाल ही में अंतर्राज्यीय माल भाड़े को युक्तिसंगत बनाया है। इससे राज्यों के दूरदराज के हिस्सों में पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में कमी के परिणामस्वरूप पेट्रोलियम तेल और ल्यूब्रिकेंटों (पीओएल) डिपो से दूर दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है। इस पहल ने एक राज्य के भीतर पेट्रोल या डीजल की अधिकतम और न्यूनतम खुदरा मूल्यों के बीच के अंतर को भी कम कर दिया है।

सरकार ने जनसामान्य को उच्च अंतरराष्ट्रीय मूल्यों से बचाने के लिए कई अन्य कदम भी उठाए हैं, जिसमें कच्चे तेल के आयात बास्केट में विविधता लाना, घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सार्वभौमिक सेवा दायित्व के प्रावधानों को लागू करना, पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण को बढ़ाना आदि शामिल थे।

भारत दुनिया की एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था रही है जहाँ हाल के वर्षों में पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में कमी आई है। नवंबर 2021 और जनवरी 2025 के बीच कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में परिवर्तन निम्नानुसार है:

	नवंबर-21 और जनवरी-25 के बीच मूल्यों में परिवर्तन का %	
देश	**पेट्रोल**	**डीज़ल**
भारत (दिल्ली)	-13.60%	-10.92%
फ्रांस	14.21 %	15.08 %
जर्मनी	7.87 %	12.43 %
इटली	8.65 %	11.39 %
स्पेन	8.67 %	12.93 %
यूके	0.08 %	2.61 %
कनाडा	10.52 %	23.05 %
यूएसए	4.83 %	12.86 %

स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी)

नवंबर 2021 और जनवरी 2025 के बीच कुछ पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं में पेट्रोल और डीजल के मूल्यों में परिवर्तन

	नवंबर-21 और जनवरी-25 के बीच मूल्यों में परिवर्तन का %	
देश	**पेट्रोल**	**डीज़ल**
भारत (दिल्ली)	-13.60%	-10.92%
पाकिस्तान	29.76 %	34.97 %
बांग्लादेश	13.94 %	30.82 %
श्रीलंका	53.98 %	101.59 %
नेपाल	22.02 %	31.32 %

स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी)

भारत घरेलू एलपीजी खपत का लगभग 60% आयात करता है। देश में एलपीजी का मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके मूल्य से जुड़ा हुआ है। औसत सऊदी सीपी (एलपीजी मूल्य निर्धारण के लिए अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क) में 63% की वृद्धि हुई (जुलाई 2023 में 385 यूएस डॉलर/मीट्रिक टन से फरवरी 2025 में 629 यूएस डॉलर/मीट्रिक टन), घरेलू एलपीजी के लिए प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) उपभोक्ताओं के लिए प्रभावी मूल्य में 44% तक (अगस्त 2023 में 903 रुपए से फरवरी 2025 में 503 रुपए) की कमी की गई।

14.2 किलोग्राम के एक घरेलू एलपीजी सिलेण्डर का खुदरा बिक्री मूल्य वर्तमान में दिल्ली में 803 रुपए है। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को 300 रुपए / सिलेण्डर की निर्धारित राजसहायता के बाद, भारत सरकार 503 रुपए प्रति सिलेण्डर (दिल्ली में) के प्रभावी मूल्य पर 14.2 किलोग्राम का एलपीजी सिलेण्डर प्रदान कर रही है। यह देश भर में 10.33 करोड़ से अधिक उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए उपलब्ध है।

वैश्विक स्तर पर, पीएमयूवाई अपनी तरह का सबसे बड़ा कार्यक्रम है जिसमें 100 मिलियन से अधिक गरीब परिवारों को लगभग 35 रुपए/किलोग्राम के प्रभावी मूल्य पर घरेलू एलपीजी प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, पड़ोसी देशों में दिनांक 01.01.2025 की स्थिति के अनुसार घरेलू एलपीजी सिलेण्डर का प्रभावी मूल्य निम्नानुसार है-

देश	**घरेलू एलपीजी (रुपए/14.2 किलोग्राम सिलेण्डर)**
भारत	503.00*
पाकिस्तान	1094.83
श्रीलंका	1231.53
नेपाल	1206.65

स्रोत- पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी)

*दिल्ली में पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए प्रभावी लागत, गैर-पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए प्रभावी मूल्य 803 रुपए है।

कराधान से प्राप्त राजस्व का उपयोग पीएमयूवाई परिवारों के लिए निर्धारित राजसहायता, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई), आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई), कोविड-19 हेतु निःशुल्क टीकाकरण आदि में सरकार की विभिन्न अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और विकासात्मक योजनाओं में किया जाता है।

सरकार द्वारा वर्ष 2005-06 से वर्ष 2009-10 की अवधि के दौरान ऑयल बांड जारी किए गए थे। वित्त मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पेट्रोलियम बांड पर दिनांक 26.03.2025 तक निपटान की गई राशि 131550.01 करोड़ रुपए है और पेट्रोलियम बांड की वर्तमान देयता 38969.92 करोड़ रुपए है।

****